समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

सरकार ने अपना काम कर दिया, अब कंपनियों की बारी : सीतारमण का निवेश बढ़ाने का आह्वान

Publisher

Published on 18 Sep 2025

वित्त मंत्री **निर्मला सीतारमण** ने देश के उद्योग जगत को संदेश देते हुए कहा कि **सरकार ने कंपनियों के लिए नीतिगत बदलाव पूरी तरह कर दिए है** । अब बारी है कंपनियों की, जो **अपने निवेश और क्षमता विस्तार के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकती है** ।

सरकार की नीतिगत पहल

सीतारमण ने स्पष्ट किया कि सरकार ने **कंपनियों की उम्मीदों और मांगों के अनुरूप नीतियों मे बंदलाव** कर दिए हैं। इनमें शामिल हैं:

1. **वित्तीय प्रोत्साहन और निवेश अनुदान**
2. **कर नीतियों मे संरलता और पारदर्शिता**
3. **औद्योगिक क्षेत्रों मे लॉजिस्टिक और इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार**
4. **विदेशी निवेशकों के लिए आसान प्रक्रियाएँ**

उन्होंने कहा कि ये बदलाव कंपनियों को **नई परियोजनाएं शुरू करने और मौजूदा संचालन का विस्तार** करने में मदद करेंगे।

कंपनियों के लिए अवसर

- **निवेश बढ़ाने की दिशा :** कंपनियों को अब अपने निवेश को तेज करना चाहिए और उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

- **विकास और रोजगार :** निवेश बढ़ाने से न केवल कंपनियों को फायदा होगा बल्कि रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी।
- **वैश्विक प्रतिस्पर्धा:** सुधारित नीतियां कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देंगी।

सीतारमण ने उद्योग जगत से **सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और आर्थिक विकास मे योगदान देने** की अपील की।

उद्योग जगत की प्रतिक्रिया

कई उद्योगपतियों ने वित्त मंत्री के बयान का स्वागत किया। उनका कहना है कि सरकार के कदम **आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और निवेशकों के विश्वास को मजबूत करने वाले** हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कंपनियां **नीतिगत बदलाव का लाभ उठाकर निवेश बढ़ाती है**, तो यह **देश की जीडीपी और औद्योगिक उत्पादन** में सकारात्मक असर डाल सकता है।

वित्त मंत्री का संदेश

निर्मला सीतारमण ने कहा:

> "सरकार ने अपना काम कर दिया है। अब बारी है कंपनियों की। वे निवेश बढ़ाएं, अपनी क्षमताओं का विस्तार करें और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएं।"

उन्होंने यह भी जोर दिया कि **स्थिर और पारदर्शी नीतियां** निवेशकों का भरोसा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आर्थिक विशेषज्ञों की राय

- **अर्थव्यवस्था को गति :** निवेश बढ़ने से उत्पादन और रोजगार दोनों में वृद्धि होगी।
- **कंपनी विस्तार :** नई इकाइयों और प्रौद्योगिकी में निवेश कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाएगा।
- **दीर्घकालिक लाभ :** निवेश बढ़ने से न केवल वर्तमान विकास होगा बल्कि भविष्य में स्थिर आर्थिक वृद्धि की नींव भी मजबूत होगी।

भविष्य की संभावनाएँ

1. **निवेश प्रवाह मे वृंद्धि :** भारत में घरेलू और विदेशी निवेशकों की रुचि बढ़ सकती है।
2. **उद्योगिक विकास :** विभिन्न उद्योगों में उत्पादन और रोजगार सृजन में तेजी।
3. **वैश्विक प्रतिस्पर्धा मे मंजबूती :** भारतीय कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी स्थिति मजबूत कर सकती हैं।

फाइनेंस मिनिस्टर **निर्मला सीतारमण** का संदेश स्पष्ट है: सरकार ने **नीतियों मे बंदलाव करके रास्ता साफ कर दिया है**, अब बारी है **कंपनियों की सक्रिय भागीदारी और निवेश** की। यदि उद्योग जगत इस अवसर का उपयोग करता है, तो यह न केवल कंपनियों बल्कि पूरे देश की **आर्थिक प्रगति और रोजगार सृजन** के लिए लाभकारी होगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.